सिंचाई शब्दावली

खेती योग्य कमान क्षेत्र (सीसीए)
यह ऐसा क्षेत्र है जिसे भौंतिक रूप से एक योजना से सिंचित किया जा सकता है और वह खेती के लिए उपयुक्त है।

कुल खेती योग्य क्षेत्र (टीसीए)
यह कुल क्षेत्रफल है जहां खेती संभव है। इसमें कुल बोया क्षेत्र, वर्तमान बंजर, वर्तमान खाली भूमि, बंजर भूमि के अलावा खाली भुमि, कृष्य बंजर भूमि और विविध वृक्ष फसलों के तहत भूमि शामिल है।

शुद्ध पैदावार क्षेत्र (एनएसए)
यह फसलों और बागों के साथ बोये गए कुल क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करता है। एक ही क्षेत्र एवं एक ही साल में एक से अधिक बार बोया गया क्षेत्र केवल एक बार गिना जाता है।

कुल पैदावार क्षेत्र (जीएसए)
यह एक कृषि वर्ष में विभिन्न मौसमों (यानी १ जुलाई से अगले वर्ष ३० जून तक) में सभी फसलों के अंतर्गत आने वाले क्षेत्रों का योग है। जीएसए के तहत, उसी वर्ष दो बार / तीन बार बोया गया क्षेत्र को दो / तीन बार गिना जाता है।

फसल उगाने की तीव्रता
यह सकल बोया (कुल) क्षेत्र तथा शुद्ध बोया क्षेत्र का एक प्रतिशत के रूप में व्यक्त अनुपात है।

शुद्ध सिंचित क्षेत्र (एनआईए)
यह एक विशेष फसल के लिए वर्ष में एक बार किसी भी स्त्रोत के माध्यम से सिंचित क्षेत्र है। एक ही वर्ष में एक से अधिक बार सिंचित क्षेत्रफल केवल एक बार गिना जाता है।

कुल सिंचित क्षेत्र (जीआईए)
यह कृषि वर्ष में विभिन्न मौसमों (यानी १ जुलाई से अगले वर्ष ३० जून तक) पर सभी फसलों के तहत सिंचित क्षेत्रों की कुल राशि है। जीआईए के तहत, एक ही वर्ष में दो बार / तीन बार सिंचित क्षेत्र को दो / तीन बार गिना जाता है

सिंचाई तीव्रता
यह सकल सिंचित (कुल) क्षेत्र तथा शुद्ध सिंचित क्षेत्र का एक प्रतिशत के रूप में व्यक्त अनुपात है।

निर्मित सिंचाई क्षमता (आईपीसी)

यह ऐसा क्षेत्र है जिसे एक योजना कृषि वर्ष (यानी १ जुलाई से अगले वर्ष ३० जून तक) में एक परियोजना से अनुमानित फसल पैटर्न के लिए सिंचित किया जा सकता है और इसके पूर्ण विकास पर पानी भत्ता स्वीकार किया जा सकता है।

उपयोगित सिंचाई छमता (आईपीयू)

उपयोगित सिंचाई छमता कृषि वर्ष के दौरान एक परियोजना / योजना द्वारा सिंचित कुल क्षेत्र माना जाता है।

परम सिंचाई छमता (यूआईपी)

परम सिंचाई क्षमता एक सकल क्षेत्र है एक योजना कृषि वर्ष (यानी १ जुलाई से अगले वर्ष ३० जून तक) में एक परियोजना से अनुमानित फसल पैटर्न के लिए सिंचित किया जा सकता है और इसके पूर्ण विकास पर पानी भत्ता स्वीकार किया जा सकता है।

सिंचाई परिदृश्य

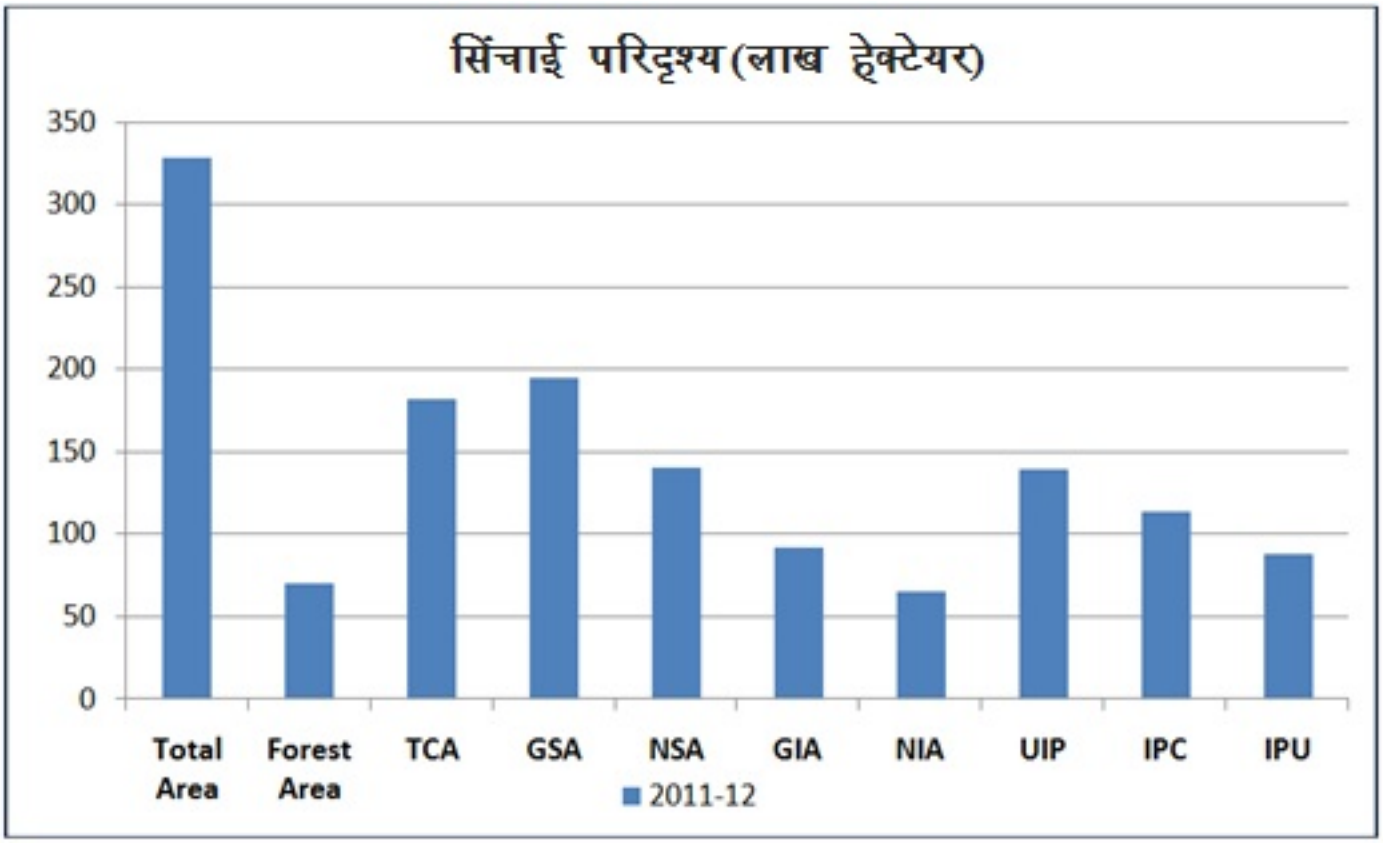

अगला अध्याय >>
सिंचाई परियोजनाएं